

जनपद सहारनपुर के पर्यटन विकास के लिए 1120.11 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत

जनपद मुजफ्फरनगर में शुक्रतीर्थ में बुनियादी सुविधाओं के सृजन के लिए
2482.71 लाख रुपये की तीन परियोजनायें स्वीकृत

गाजियाबाद जनपद के पर्यटन विकास के लिए 715.25 लाख रुपये की
तीन परियोजनायें स्वीकृत

लखनऊ : 29 अप्रैल, 2025

पर्यटन विभाग उ०प्र० द्वारा जनपद सहारनपुर के पर्यटन विकास एवं अन्य निर्माण कार्यों के लिए 1120.11 लाख रुपये की तीन परियोजनायें स्वीकृत की गयी हैं। इन परियोजनाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी उ०प्र० राज्य पर्यटन विकास निगम लि० एवं सीएनडीएस को दी गयी है। इसके लिए आवश्यक शासनादेश जारी कर दिया गया है। कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया गया है कि परियोजनाओं का कार्य निर्धारित समय के अंदर पूरा करें, ताकि देशी विदेशी पर्यटकों को आकर्षित किया जा सके।

यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि सहारनपुर में स्थित प्राचीन पतेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 119.00 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत की गयी है। इसी प्रकार गंगोह रोड स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं भैरव काली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए एक करोड़ तथा शाकुम्भरी देवी शक्तिपीठ में पर्यटक सुविधाओं के सृजन हेतु 901.31 लाख रुपये की परियोजना स्वीकृत की गयी है।

श्री जयवीर सिंह ने बताया कि जनपद मुजफ्फरनगर के पर्यटन विकास के लिए 2482.71 लाख रुपये की तीन परियोजनायें स्वीकृत की गयी है। इसके तहत मुजफ्फरनगर के शुक्रतीर्थ में लाइट एण्ड साउण्ड शो की स्थापना के लिए 1525.1 लाख रुपये एवं शुक्रतीर्थ परिक्रमा मार्ग के सुदृढीकरण एवं पर्यटक सुविधाओं के सृजन के लिए 477.6 लाख रुपये तथा शुक्रतीर्थ में श्रीमद्भागवत कथा केन्द्र के निर्माण के लिए 480.01 लाख रुपये की मंजूरी दी गयी है। उल्लेखनीय है कि शुक्रतीर्थ स्थल पौराणिक काल का है, यहां दर्शन का लाभ लेने के लिए दूर-दूर से लोग पहुंचते हैं। श्रद्धालुओं को बुनियादी सुविधायें सुलभ कराने के लिए यह परियोजना स्वीकृत की गयी है।

इसी प्रकार जनपद गाजियाबाद के पर्यटन विकास के लिए 715.25 लाख रुपये की तीन परियोजनायें स्वीकृत की गयी हैं। इसके तहत मुरादनगर में भगवान परशुराम मंदिर का पर्यटन विकास, मोदी नगर स्थित सीकरी महामाया मंदिर का पर्यटन विकास तथा दूधेश्वरनाथ मंदिर का पर्यटन विकास कराया जायेगा।

सम्पर्क सूत्र— केवल

राघवेन्द्र / 03:05 PM

